





# मुख्यमंत्री साय ने सार्थक एवं रक्षक अभियान का किया शुभारंभ

■ बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पहल

रायपुर, 18 जून। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के 15 वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के लिए सार्थक एवं रक्षक अभियान का उभयंभास्त्र किया। इस अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल अडिगेरियम



में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य के सुदूर अंचलों में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ावे में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सार्थक एवं रक्षक जैसे नये अभियान जननामस में बच्चों के अधिकारों के लिए जागरूक करने में कारबगर सिद्ध होगे। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही सशक्त सायाज की मिर्मान हो सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य के सुधारणा खासकर बस्तर एवं सर्वुजा संभाग है।

में कम उम्र में ही बच्चे कामकाज की तलाश में अन्य शहरों के तरफ चले जा जाते हैं, पर जानकारी के अभाव में कई बार शोषण के शिकार हो जाते हैं। आयोग की जिमेदारी है कि ऐसे बच्चों का चिकित्सक न कर उन्हें रोगियां रोगियां हो जाएं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बच्चों और युवाओं पर केन्द्रित अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। हमारी सरकार गांव-गांव तक स्कूल, कॉलेज, कोचिंग की सुविधा मुहूर्या कराई है। इनके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास, नालंदा परिसर पर्यावरण में ट्राइबल यूथ हॉस्टल जैसे कार्यों के माध्यम से छात्रों को अधिक संकायों से लाभ दिलाया जाए।

अधिकार संरक्षण कानूनों की विशेष जानकारी प्रदान करने के लिए संचालित की जा रही है। आयोग के स्थापना समारोह में बाल अधिकारों की जागरूकता के लिए बहतर कायं करने वाले पुलिस के जवानों, आगवाड़ी कार्यकारीओं एवं छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नई मार्गदर्शिका बुकलेट, रक्षा बुकलेट एवं गुड टच, बैड टच सेफ टच, मानव तकलीब, एवं रक्षण के अधिकार पर आधारित कार्टून पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

## समाचार

## संक्षेप



**महापौर ने स्व विवरणी की जांच कर दिमांड दुरुस्त कर वसूली के दिये निर्देश**

राजनांदगांव 18 जून। इस वित्तीय वर्ष में सत प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए सुनियोजित अभियान चलाकर राजस्व वसूली करना है। वसूली के लिए सर्वप्रथम करदाताओं के द्वारा जो विवरणी भरा गया है उसकी जांच करे और उसके आधार पर सम्पत्कार वसूली करें। आज नियम सप्ताह में अधिकारी राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में मधुसूल वार्ड प्रभारी जांच करे और सर्वाधित से विवरणी भरा गया है। उन्होंने आगे कहा कि शहर में कई बैर्डल टॉवर, घट्टापौर श्री मधुसूल वार्ड के बाद वार्ड में आयोजित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शहर में एक नये मकान, दुकान, भवन आदि का निर्माण हो रहा है। जिसकी सर्वाधित वार्ड प्रभारी जांच करे और सर्वाधित से विवरणी भरा वसूली करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहर में कई बैर्डल टॉवर, स्थापित हैं। इसी प्रकार होमेड्स भी लगे हुए हैं। उन्होंने आगे जारी कर उनसे सम्पत्कार वसूली के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। जो प्रदेश की महिलाओं को अधिक रूप से सशक्त बनाने में मदद कर रही है। हमारी सरकार आगे के बाद उन्हें मोदी की गारंटी में शामिल महिलाएं वर्दन योजना को लागू किया। आज प्रेस को 70 लाख महिलाएं इससे संभव है। हमारी सरकार का दृष्टि विश्वास है।

**■ मोबाइल टॉवर, होमेड्स व नये निर्माण से संपत्कार वसूले: मधुसूल**

■ बालोद में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की धोषणा

■ मुख्यमंत्री सेन समाज के महिला जिला अध्यक्षों एवं प्रतिभा समान समारोह में हुए शामिल



## छत्तीसगढ़ की तरवरी और विकास में सेन समाज का महत्वपूर्ण योगदान: सीएम साय

कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा के खिलाफ कायास्थ समाज नैं खोला मोर्चा



राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज जी एवं श्री यमराज जी के संबंध में की गयी अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक तथा अवमाननारूप टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान चित्रगुप्त का उपहार पूर्वक मुहूर्म बृहद एवं रक्षक करते हुए यह कहा गया कि राजस्व वसूला के लिए अधिकारी लाभ दिलाया जाए।

राजनांदगांव, 18 जून। कथावाचक पंग्रादीप मिश्रा द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त के विवरणी के विरोध में कायास्थ समाज राजनांदगांव नैं खुलके मोर्चा खोल दिया है। कथावाचक कंशिका विवरणी के द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त जी तथा मूल्य के देवता श्री यमराज जी के संबंध में अत्यन्त अभद्र, अपतिजनक टिप्पणी की गई। कथावाचक पंग









